

Hindustan, Jamshedpur, (JKD)

शांतिपूर्ण रही ग्रामसमा, प्रशासन को चेताया

जमशेदपुर | मुख्य संवाददाता

मानगो अंचल और एमजीएम थाना क्षेत्र के काशीडीह गांव स्थित फुटबॉल मैदान में पूर्व घोषित महा ग्रामसभा सरकार और जिला प्रशासन को चेतावनी के साथ गुरुवार को सम्पन्न हो गई। ग्रामसभा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही, लेकिन इसमें सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किए गए, जो प्रशासन के लिए चेतावनी और सरकार के लिए चिंता पैदा करने वाले हैं।

भले ग्रामसभा शांतिपूर्ण रही, लेकिन इसकी वजह से काशीडीह में प्रस्तावित भारी वाहन चालक प्रशिक्षण केंद्र व उसके आसपास तनावपूर्ण माहील रहा। इस महा ग्रामसभा ने प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण का तीखा विरोध किया है। इसकी अध्यक्षता आसनबनी के तोरोप परगना हारिपदो मुर्मू ने की। इसमे कालिकापुर तोरोप परगना सहित 60 ग्रामसभाओं के प्रतिनिधियों के अलावा करीब 300 ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। पुलिस हटाया जाए, निर्माण बंद हो: महा ग्रामसभा ने कहा कि जिला प्रशासन निर्माण स्थल एवं काशीडीह गांव में नियुक्त पुलिस बल को तत्काल हटाकर काम बंद करवाए, अन्यथा महग्रामसभा कड़ा निर्णय लेने के लिए बाध्य होगी और इसका जिम्मेदार जिला प्रशासन होगा। जिला प्रशासन द्वारा जब तक ग्रामसभा नहीं करायी जाती, तब तक निर्माण कार्य बिना ग्रामसभा की अनुमति के नहीं होना



गुरुवार को काशीडीह गांव में ग्रामसभा के दौरान फ़्लैग मार्च करते रैफ के जवान। • हिन्दुस्तान

काशीडीह गांव

- 60 ग्रामसभाओं के प्रतिनिधियों अलावा ३०० ग्रामीण शामिल
- पुलिस बल हंटाकर निर्माण नहीं रोकने की दी चेतावनी

चाहिए। इस कारण निर्माण स्थल पर धरना-प्रदर्शन और उपायुक्त कार्यालय के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक एवं मुख्यमंत्री को अल्टीमेटम देने का कार्यक्रम तय किया गया। डीटीओ दिनेश रंजन पर आरोप लगाया कि उन्होंने ग्रामसभा एवं आदिवासी समाज के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है, इसलिए उनके खिलाफ आदिवासी उत्पीड़न का केस दर्ज कराय जाएगा। आरोप लमाया कि

जिला प्रशासन ने ग्रामसभा को असामाजिक तत्व एवं अपराधी कहा है. जिसका महा ग्रामसभा विरोध करती और इसका दोषी उपायुक्त को मानती

है। उन्हें जिला से तत्काल हटाकर और किसी भी पांचवीं अनुसूची वाले जिला में पदास्थापित नहीं करने का राज्य सरकार को अल्टीमेटम दिया जाएगा। निर्माण के विरोध में न्यायालय जाने के लिए अधिवक्ताओं से बात करने पर सहमति बनी। कोल्हान स्तर के सभी पारंपरिक, सामाजिक और जनसंगठनों को जोडने का प्रस्ताव पारित किया गया। घाटशिला, बहरागोड़ा, पोटका व जुगसलाई के विधायकों को धाड़ दिशोम देश परगना अखड़ा में जल्द तलब किया जाएगा। पांचवीं अनुसूची का उल्लंघन कर हो रहा निर्माण: महा ग्रामसभा को

ग्रामीणों ने बताया कि 2015 से ही चालक प्रशिक्षण केंद्र का विरोध किया जा रहा है। उन्होंने विरोध का मुख्य कारण पांचवीं अनुसूची के प्रावधान

का उल्लंघन कर निर्माण कार्य किया जाना बताया। पांचवीं अनसची क्षेत्र में बिना ग्रामसभा के इस परियोजना को लगाया नहीं जा सकता है। दावा किया कि काशीडीह ग्रामसभा के पारंपरिक पूजा स्थल पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। प्रशासन बलपूर्वक संविधान का उल्लंघन कर निर्माण करा रहा है। रैफ और आईआरबी को भी उतार दिया प्रशासन नेः जिला प्रशासन ने ग्रामसभा की वजह से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने और कार्यस्थल पर कोई बाधा न पहुंचे, इसके लिए सुरक्ष के कड़े इंतजाम किए थे।

• • • • •

• • •

۹

۲

●

۲

۲

Dainik Bhaskar, Meerut, (UP)

सुभारती विश्वविद्यालय एवं आरएएफ ने किया संयुक्त रक्तदान शिविर का आयोजन

अतुल माहेश्वरी सुभारती मेरठ। विश्वविद्यालय, दुरुत कार्य बल (आरएएफ) एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-एक के संयुक्त तत्त्वाधान में दिनांक 24 दिसंबर 2021 को रक्तदान शिविर एवं दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन आरएएफ परिसर में किया गया। शिविर का शुभारंभ 108 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर राजेंद्र प्रसाद, कावा समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनिता प्रसाद, सुभारती स्कूल ऑफ़ बुद्धिस्ट स्टडीज के सलाहकार डॉ. हीरो हितो, असिस्टेंट कमांडेंट डॉ.

(आज का बुलेटिन)



चौधरी, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ.

देवेंद्र स्वरूप, डॉ रवि प्रताप

सिंह, डॉ मोहनीश मुच्छल, डॉ

पल्लवी त्यागी आदि ने दीप

प्रज्ज्वलन के साथ किया। दीप

प्रज्ज्वलन के बाद भंते डॉ.

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ

से

चन्द्रकीर्ति मंगलाचरण

शिविर में सर्वप्रथम भंते डॉ. चन्द्रकीर्ति, कमांडिंग ऑफिसर श्री राजेंद्र प्रसाद एवं आकांक्षा त्यागी, डॉ.सीमा शर्मा, श्रीमती अनिता प्रसाद ने रक्तदान किया इसके बाद बड़ी संख्या में रक्तदान किया गया। रक्त शरीर का एक ऐसा तत्व है जिसे हम कृत्रिम ढंग से नहीं बना सकते और न किसी

जीव-जन्तु से ले सकते हैं। मनुष्य का रक्त ही मनुष्य को दिया जा सकता है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक है कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान, किसी का जीवन बचा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि रक्तदान महादान है। रक्तदान शिविर के साथ-साथ दन्त चिकित्सा शिविर का भी आयोजन अत्यंत सफल रहा। इस शिविर में दुरुत कार्य बल के जवानों और उनके परिजनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में आरएएफ 108 बटालियन के जवानों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग और किया रक्तदान किया।



